लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3899
11 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र पुनर्चक्रण और चक्रीय अर्थव्यवस्था

3899. श्री दामोदर अग्रवाल:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वस्त्र क्षेत्र में वस्त्र पुनर्चक्रण और चक्रीय अर्थव्यवस्था की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए कोई नीतिगत ढांचा तैयार किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वस्त्र पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले उद्योगों को कोई प्रोत्साहन प्रदान किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो लाभार्थी इकाइयों की संख्या सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (घ): सरकार ने वस्त्र क्षेत्र में वस्त्र रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने, रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों को अपनाने और सर्कुलर इकोनॉमी की ओर बढ़ने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं:

i) केंद्रीय बजट 2026–27 में, माननीय वित्त मंत्री ने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सस्टेनेबल वस्त्र और परिधान क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 'Tex ECO पहल' की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य अनुसंधान संस्थानों, वस्त्र अनुसंधान संघों, उत्कृष्टता केंद्रों, उद्योग, स्टार्ट-अप्स और अन्य स्टेकहोल्डरों के सहयोग से वस्त्र अपशिष्ट प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और मूल्य संवर्धन, रीसायकल किए गए फाइबर का विकास, नई सामग्री, सस्टेनेबल पैकेजिंग और अनुपयोगी वस्त्रों से अन्य उच्च मूल्य उत्पादों को तैयार करने के साथ-साथ सर्कुलर इकोनॉमी के लिए नई तकनीक में सहायता प्रदान करना है।

ii) वस्त्र मंत्रालय ने "भारत में वस्त्र अपशिष्ट मूल्य श्रृंखला की मैपिंग" शीर्षक से एक अध्ययन किया है। इस रिपोर्ट में मैन्युफैक्चरिंग वेस्ट जैसे प्री-कंज्यूमर स्रोतों और पोस्ट-कंज्यूमर वेस्ट से निकलने वाले वस्त्र अपशिष्ट का अनुमान लगाया गया है।

iii) सरकार ने 'सर्कुलर संवाद' और 'क्लस्टर एक्सचेंज मैकेनिज़्म' जैसे उद्योग फोकसड् कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के साथ-साथ, सस्टेनेबल उत्पादन, सर्टिफ़िकेशन और निर्यात पर विचार-विमर्श

करने के लिए एक एनवायरनमेंट, सोशल और गवर्नेंस (ESG) टास्क फ़ोर्स का भी गठन किया है।

iv) सरकार नीति सहायता, अनुसंधान, नवाचार और क्षमता-निर्माण पहलों के माध्यम से वस्त्र रिसायक्लिंग और सस्टेनेबल विनिर्माण को भी बढ़ावा दे रही है, जिसमें शामिल हैं:

- वस्त्र फैशन आपूर्ति श्रृंखला से हानिकारक रसायनों को समाप्त करने पर UNIDO-ग्लोबल एनवायरनमेंट फ़ैसिलिटी (GEF) परियोजना;
- लाइफ साइकिल असेसमेंट (LCA) और प्रोडक्ट एनवायरनमेंटल फुटप्रिंट (PEF) का उपयोग करके भारतीय वस्त्र क्षेत्र के सर्कुलेरिटि की ओर बढ़ने में तेजी लाने के लिए UNEP के सहयोग से In-Tex इंडिया परियोजना;
- राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (NTTM) के तहत पर्यावरण की दृष्टि से सस्टेनेबल अनुसंधान और विकास के लिए सहायता;
- पीएम मित्र पार्कों के लिए सस्टेनेबिलिटी फ़्रेमवर्क का विकास; और
- वस्त्र समिति, सार्वजनिक उद्यमों के स्थायी सम्मेलन (SCOPE) और सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) के बीच एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से सरकारी खरीद में अपसाइकल किए गए उत्पादों को बढ़ावा देना।

ये पहलें सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए हैं और इनका उद्देश्य वस्त्र मूल्य श्रृंखला में प्रौद्योगिकी अपनाने, अनुसंधान, नवाचार, सस्टेनेबल विनिर्माण और सर्कुलर इकोनॉमी को सुविधाजनक बनाना है।

***